>

Title: Regarding pitiable condition of roads in Jalore-Sirohi districts under Jalore Parliamentary Constituency of Rajasthan.

श्री देवजी एम. पटेल (जालौर): सभापति जी, जब आप पहले आसन पर विराजमान थे, उस समय भी मैंने राजस्थान के हाइवेज की बात उठाई थी। राजस्थान के अंदर अहमदाबाद से सांचौर, जो मेरा क्षेत्र है, वहां जाना है तो वह 300 किलोमीटर है। अगर हमें अपने राजस्थान बॉर्डर से अहमदाबाद जाना है तो हम 250 किलोमीटर की दूरी तीन घंटे में तय कर लेते हैं। जो नेशनल हाइवे सांचौर से गाधव है, वह 45 किलोमीटर है, वह इतना खराब है कि यह दूरी पार करने के लिए डेढ़ घंटे का समय लग जाता है और काफी दुर्घटनाएं भी होती हैं। पहले भी मैं मांग कर चुका हूं कि इस हाइवे को सुधारा जाए और इसकी मरम्मत कराई जाए। मैंने इस सम्बन्ध में खुद चेयरमैन से तीन-चार बार बात की है, लेकिन आज तक उस रोड का कोई सुधार नहीं हुआ, वैसे ही खड्डे पड़े हुए हैं। हमारे यहां सब हाइवेज की हालत ऐसी ही है। केन्द्र सरकार द्वारा बनाए गए प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत जो रोड बनाई गई हैं, उनकी हालत भी ऐसी है। मैं इस मामले को यहां कई बार उठा चुका हूं। सांसद के अधीन बनी जिला सतर्कता एवम् निगरानी समिति में भी इस बात को उठा चुका हूं। मैंने उसमें बहुत सी सड़कें चैक कीं, जिनमें खामियां निकालकर अधिकारियों को बताया। लेकिन तीन साल से हर जगह यह कहा जाता है कि जांच टीम बैठ रही है। जांच टीम बोलती है कि आज एसडीएम की बैठेगी, कल कलेक्टर की बैठगेगी, परसों पता नहीं चीफ सेक्रेटरी या किसकी बिठाएंगे। आज तक इन सड़कों की हालत नहीं सुधरी है। मेरे क्षेत्र जालौर और सिरोही में लगभग कमोबेश सड़कों की यही हालत है। मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि या तो इन सड़को को दुरुस्त किया जाए या फिर हमें मना कर दिया जाए कि नहीं बनेंगी। फिर हम जनता को कह देंगे कि ये सड़कें नहीं बनेंगी, आपको जिस हिसाब से चलना है, आप वैसे ही चलो। इसलिए सरकार से यदि इस सम्बन्ध में थोड़ी मदद मिल जाए तो हमारे यहां की सड़कें सुधर जाएंगी।